----------------------------------------------------------

## कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

## भाग - (51) खण्ड - {101}

----------------------------------------------------------

समग्र मुरलियों पर आधारित अधोलिखित प्रश्नों के सबसे उपयुक्त एक ही उत्तर का चयन करें..........

प्रश्न 1- सच्ची कमाई क्या है ?

A- अविनाशी ज्ञान रत्नों की

B- खुशी देने की

C- गुणों की

D- सेवा की

प्रश्न 2- कौन से लोगों का संन्यास कितना डिफीकल्ट है, बाल आदि निकालने की कितनी कड़ी रस्म है ?

A- संन्यासी

B- जैनी

C- बौद्धी

D- सिक्ख

प्रश्न 3- वर्से को याद करो अर्थात् -

A- सुखधाम को याद करो।

B- शान्तिधाम को याद करो।

C- स्वदर्शन चक्र सदा फिरता रहे।

D- बाप को याद करो।

प्रश्न 4- बाप समझाते हैं देही-अभिमानी भव, क्योंकि -

A- पावन बनना है।

B- आत्मा समझे बगैर परमपिता परमात्मा को याद कर न सकें।

C- आत्मा का स्वधर्म शान्ति है।

D- पावन दुनिया में जाना

प्रश्न 5- सतयुग में कौन से अच्छे सुन्दर नाम होते हैं ?

A- श्रीकृष्ण

B- श्रीलक्ष्मी

C- श्री विष्णु

D- A और B

E- A, B, C

प्रश्न 6- तुम बच्चों का फ़र्ज है ?

A- सुखधाम में विश्राम करना

B- सबको बाप का पैगाम देना।

C- मुरली सुनाना

D- स्वमान के नशे में रहना

प्रश्न 7- बाप किस को नहीं पढ़ाएंगे ?

A- मनुष्य को

B- देवताओं को

C- पतितों कौ

D- उपरोक्त सभी को

प्रश्न 8- कब मायाजीत बनना सहज है ?

A- याद और निःस्वार्थ सेवा हो तो

B- नॉलेजफुल बनो तो

C- सदा शक्तिशाली हों तो

D- पवित्र बनो तो

प्रश्न 9- कौन सी बीमारी बहुत कड़ी है ?

A- पांच विकारों की

B- कर्मभोग की

C- देह-अभिमान की

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 10- वैकुण्ठवासी कौन हैं-

A- श्रीकृष्ण

B- परमात्मा

C- आत्मा

D- श्री विष्णु

प्रश्न 11- अपने आपको सदा सेफ रखने के लिए सबसे सही पर्याय का चुनाव कीजिए ?

A- बुद्धि बिजी रखो।

B- बुद्धि को विचार सागर मंथन मैं बिज़ी रखना।

C- झरमुई झगमुई में अपना समय नहीं गँवाना है।

D- सब कुछ बाप को अर्पण कर देना है।

प्रश्न 12- किस को नॉलेज कहा जाता है ?

A- बाप और सृष्टि चक्र को जानना

B- बुद्धि को विचार सागर मंथन में बिज़ी रखना

C- आत्मा और परमात्मा के ज्ञान को

D- श्रीमत पर चलने को

प्रश्न 13- कौन सी यात्रा तुम्हारी अनादि है ?

A- मनमनाभव

B- हम सो

C- ततत्वम्

D- मामेकम्

प्रश्न 14- आज से कितने हजार वर्ष पहले क्राइस्ट आया था ?

A- 5

B- 3

C- 1

D- 2

प्रश्न 15- यहाँ तुम्हारे पेपर्स की कौन जांच करेगा ?

A- चित्रगुप्त

B- बाप

C- खुद ही करेंगे

D- धर्मराज

प्रश्न 16- अभी देखो क्रिश्चियन का झाड़ कितना हो गया है। क्रिश्चियन का फाउण्डेशन है-

A- ग्रेट-ग्रेट ग्रैण्ड फादर

B- परमपिता परमात्मा शिव

C- देवी-देवता घराना

D- ब्राह्मण परिवार

-----------------------------------------------------

भाग (51) खण्ड {101} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

-----------------------------------------------------

उत्तर 1- *A.अविनाशी ज्ञान रत्नों की*

सतयुग है सुखधाम परन्तु सभी तो सतयुग में आ नहीं सकते। यह बातें समझेंगे ही वह जो देवताओं के पुजारी हैं। यह है सच्ची कमाई, जो सच्चा बाप सिखलाते हैं। बाकी सभी हैं झूठी कमाईयाँ। *अविनाशी ज्ञान रत्नों की कमाई ही सच्ची कमाई कही जाती है*, बाकी विनाशी धन-दौलत वह है झूठी कमाई।

उत्तर 2- *B.जैनी*

बाप कहते हैं मन्मनाभव, तो तुम बैकुण्ठ के मालिक बनोगे। मुक्ति, जीवनमुक्तिधाम को याद करो। *तुम्हारा यह संन्यास है, जैनी लोगों का संन्यास कितना डिफीकल्ट है।* बाल आदि निकालने की कितनी कड़ी रस्म है।

उत्तर 3- *A.सुखधाम को याद करो*

बाप कहते हैं *बच्चे, शान्तिधाम को याद करो और फिर वर्से को अर्थात् सुखधाम को याद करो।* पहले-पहले तुम शान्तिधाम में जाते हो तो अपने को शान्तिधाम, ब्रह्माण्ड का मालिक समझो। चलते-फिरते अपने को वहाँ के वासी समझेंगे तो यह दुनिया भूलती जायेगी। सतयुग है सुखधाम परन्तु सभी तो सतयुग में आ नहीं सकते।

उत्तर 4- *B.आत्मा समझे बगैर परमपिता परमात्मा को याद कर न सकें*

*बाप क्या समझाते हैं? देही-अभिमानी भव क्योंकि अपने को आत्मा समझने बिगर परमपिता परमात्मा को याद कर न सकें।* इस समय तो सभी आत्मायें पतित हैं। पतित को ही मनुष्य कहा जाता है, पावन को देवता कहा जाता है। यह बहुत सहज समझने और समझाने की बातें हैं।

उत्तर 5- *D. A और B*

चण्डिका का कितना बड़ा मेला लगता है। वह कौन थी? कहते हैं वह एक देवी थी। ऐसा नाम तो वहाँ कोई होता ही नहीं। सतयुग में कितने अच्छे सुन्दर नाम होते हैं। *कृष्ण , नाम का अर्थ है - 'वह जो आकर्षित करता है'।* कृष्ण सतयुग (स्वर्ण युग) का पहला राजकुमार है। *सतयुग में विष्णु के दो रूप श्री लक्ष्मी नारायण राज्य करते हैं ।*

उत्तर 6- *B.सबको बाप का पैगाम देना*

बाप ने समझाया है कि सारे सृष्टि का चक्र कैसे फिरता है, सर्व आत्माओं को विश्राम कैसे और कहाँ मिलता है। *तुम बच्चों का फ़र्ज है - सबको बाप का पैगाम देना।* बाप कहते हैं मुझे याद करो तो इस वर्से के तुम मालिक बन जायेंगे। बाप इस संगमयुग पर नई स्वर्ग की दुनिया रचते हैं। जहाँ तुम जाकर मालिक बनते हो।

उत्तर 7- *B.देवताओं को*

अभी तुम बच्चों को बाप ने आकर अपना परिचय दिया है कि मैं इनमें कैसे प्रवेश कर तुम्हें पढ़ाता हूँ। *बाप देवताओं

को तो नहीं पढ़ायेंगे।* देवताओं को यह ज्ञान कहाँ। मनुष्य तो मूँझते हैं क्या देवताओं में ज्ञान नहीं है। देवतायें ही इस ज्ञान से देवता बनते हैं। देवता बनने के बाद फिर ज्ञान की क्या दरकार है।

उत्तर 8- *A.याद और नि:स्वार्थ सेवा हो तो*

ब्राह्मण जीवन का आधार याद और सेवा है, यह दोनों आधार सदा शक्तिशाली हों तो तीव्रगति से आगे बढ़ते रहेंगे। याद और सेवा दोनों में तीव्रगति चाहिए। *याद और नि:स्वार्थ सेवा साथ-साथ हों तो मायाजीत बनना सहज है।* हर कर्म में, कर्म की समाप्ति के पहले सदा विजय दिखाई देगी।

उत्तर 9- *C.देह-अभिमान की*

सर्विस करने वाले बच्चे कभी छिप नहीं सकते। बाप तो हर बच्चे का दिल लेते हैं कि कौन-सा बच्चा कैसा है? *देह-अभिमान की बीमारी बहुत कड़ी है।* बाबा मुरली में समझाते हैं, कइयों को तो ज्ञान का उल्टा नशा चढ़ जाता है, अहंकार आ जाता है फिर याद भी नहीं करते, पत्र भी नहीं लिखते।

उत्तर 10- *A.श्रीकृष्ण*

यह बातें कोई बाहर का समझ न सके। बात बड़ी सहज है। फ़र्क सिर्फ इतना है जो बाप के बदले वैकुण्ठवासी श्रीकृष्ण का नाम डाल दिया है। *क्या श्रीकृष्ण ने वैकुण्ठ से नर्क में आकर राजयोग सिखाया?* श्रीकृष्ण कैसे कह सकता है देह सहित...... मामेकम् याद करो। देहधारी की याद से पाप कैसे कटेंगे?

उत्तर 11- *B.बुद्धी को विचार सागर मंथन में बिजी रखना*

*अपने आपको सदा सेफ रखने के लिए बुद्धि को विचार सागर मंथन में बिज़ी रखना है।* स्वदर्शन चक्रधारी बनकर रहना है। झरमुई झगमुई में अपना समय नहीं गँवाना है। शरीर से डिटैच रहने की पढ़ाई जो बाप पढ़ाते हैं, वह पढ़नी है। माया के फोर्स से बचने के लिए अपनी अवस्था अचल-अडोल बनानी है।

उत्तर 12- *A.बाप और सृष्टिचक्र को जानना*

आत्मा शरीर में आती है तो उसे मनुष्य कहा जाता है। शरीर मिलता ही है कर्म करने के लिए। एक शरीर छोड़ फिर दूसरा शरीर कर्म करने लिए लेना है। शान्ति तो तब हो जब शरीर में नहीं है। मूलवतन में कर्म होता नहीं। सूक्ष्मवतन की तो बात ही नहीं। सृष्टि का चक्र यहाँ फिरता है। *बाप और सृष्टि चक्र को जानना, इसको ही नॉलेज कहा जाता है।*

उत्तर 13- *A.मनमनाभव*

अभी तुम्हारी है याद की यात्रा। अक्षर ही एक है - *मनमनाभव। यह यात्रा तुम्हारी अनादि है।* वह भी कहते हैं हम यह यात्रा अनादि काल से करते आये हैं। अभी तुम ज्ञान सहित कहते हो कि हम कल्प-कल्प यह यात्रा करते हैं। यह यात्रा खुद बाप आकर सिखलाते हैं। उन यात्राओं में कितने धक्के खाते हैं। कितना शोर होता है। यह यात्रा है डेड साइलेन्स की।

उत्तर 14- *D. 2*

वे जानते हैं कि क्राइस्ट द्वारा हम क्रिश्चियन बने हैं। *आज से 2 हजार वर्ष पहले क्राइस्ट आया था।* अब वृद्धि हो रही है। क्रिश्चियन कहेंगे हम क्राइस्ट के हैं। पहले एक क्राइस्ट आया, फिर उनका धर्म स्थापन होता है, वृद्धि होती जाती है। एक से दो, दो से चार..... फिर ऐसे वृद्धि होती जाती है।

उत्तर 15- *C.खुद ही करेंगे*

जो विलायत में पढ़ते होंगे, उनमें भी कोई बड़ा एज्यूकेशन मिनिस्टर होगा तो जांच करते होंगे। *यहाँ तुम्हारे पेपर्स की कौन जांच करेगा? तुम खुद ही करेंगे।* खुद जो चाहिए सो बनो। पढ़कर जो पद बाप से चाहो वह ले लो। जितना बाप को याद करेंगे, दूसरों की सर्विस करेंगे, उतना ही फल मिलेगा।

उत्तर 16- *C.देवी-देवता घराना*

पहले एक क्राइस्ट आया, फिर उनका धर्म स्थापन होता है, वृद्धि होती जाती है। एक से दो, दो से चार..... फिर ऐसे

वृद्धि होती जाती है। *अभी देखो क्रिश्चियन का झाड़ कितना हो गया है। फाउण्डेशन है देवी-देवता घराना,* इसलिए ब्रह्मा को ग्रेट-ग्रेट ग्रैण्ड फादर कहा जाता है।

-----------------------------------------------------

## कौन बनेगा पास विद् ऑनर प्रश्नोत्तरी

### भाग - (51) खण्ड - {102}

-----------------------------------------------------

प्रश्न 1- ब्राह्मण जीवन की नेचुरल नेचर है ?

A- पत्थर को भी पानी बनाना

B- मास्टर प्यार के सागर बनना

C- शान्तिधाम और सुखधाम को याद करना

D- सबको ज्ञान खजानों का दान करना

प्रश्न 2- मोक्ष किसे मिलता है ?

A- सभी आत्माओं को मिलता है।

B- किसी किसी को मिलता है।

C- किसी को मिल नहीं सकता।

D- महान आत्माओं को ही मिलता है।

प्रश्न 3- किनकी न पारस-बुद्धि बनती है,न फिर पत्थरबुद्धि बनती है ?

A- क्रिश्चियन लोगों की

B- भारतवासी की

C- संन्यासियों की

D- धर्म पिताओं की

प्रश्न 4- किस पर तुम्हारा हक है ?

A- अविनाशी खजानों पर

B- शान्तिधाम पर

C- रामराज्य पर

D- माया पर विजयी बनने पर

प्रश्न 5- आधाकल्प है ?

A- देवी-देवता धर्म

B- मरने का नाम नहीं है।

C- बृहस्पति की दशा

D- A और B

E- A, B और C

प्रश्न 6- तुम जानते हो पुराने से नये बन रहे हैं। सैपलिंग लग रहा है। बाबा हमें क्या बनने की सैपलिंग लगाते हैं ?

A- ब्राह्मण की

B- ईश्वरीय बुद्धि और गुणों की

C- कांटों से फूल बनाने की

D- देवी देवता की

प्रश्न 7- सब रोग कैसे खत्म हो जाते हैं, जिससे कि निरोगी बन जाते हैं ?

A- साइलेन्स से

B- साइंस से

C- बाप को याद करने से

D- दवा और दुआ से

प्रश्न 8- बाबा तलवार किस को कहते हैं ?

A- याद को

B- ज्ञान को

C- जौहर को

D- सर्व शक्तियों को

प्रश्न 9- 5 तत्त्व कैसे नये बन जाते हैं ?

A- आत्मा के पवित्र होने से

B- प्रकृति सतोप्रधान बनने से

C- हम अपना स्वर्ग स्थापन करते हैं तो

D- सकाश सेवा करने से

प्रश्न 10- डबल आमदनी होगी ?

A- याद की यात्रा से कमाई करना

B- बाप समान रहमदिल बनकर कमाई करना

C- 84 के चक्र के ज्ञान का सिमरण करने से कमाई

D- A और B

E- A और C

प्रश्न 11- मुरली अनुसार ओमनी प्रेजन्ट का अर्थ है ?

A- शिवबाबा

B- सर्वव्यापी

C- गॉड फादर

D- उपरोक्त सभी

प्रश्न 12- वह तो समझते हैं स्त्रियों का दुःख कैसे दूर करें ? परन्तु मनुष्य थोड़े ही किसका दुःख दूर कर सकते हैं क्योंकि-

A- तमोप्रधान है।

B- सब पत्थरबुद्धि है।

C- दुःखहर्ता, सुख कर्ता तो एक ही बाप है।

D- खुद ही दुःखी हैं।

प्रश्न 13- अभी कौन सा एपीसोड चल रहा है ?

A- नई दुनिया की रचना का

B- गीता का

C- संगमयुग का

D- महाभारत का

प्रश्न 14- रूहानी विद्या भवन किस को कहेंगे ?

A- मधुबन को

B- ज्ञान सागर बाप को

C- भगवत गीता को

D- सेन्टर को

प्रश्न 15- बाप आकर एक सत धर्म की स्थापना कब करते हैं ?

A- सतयुग में

B- संगमयुग में

C- लक्ष्मी-नारायण के राज्य में

D- कलियुग के अन्त में

प्रश्न 16- इनमें से कौन सबसे प्राचीन है ?

A- सतयुग- त्रेता

B- रचयिता और रचना के आदि - मध्य-अन्त का ज्ञान

C- शिवबाबा

D- सृष्टि चक्र का ज्ञान

--------------------------------------------------------

भाग (51) खण्ड {102} के उत्तर स्पष्टीकरण सहित

--------------------------------------------------------

उत्तर 1- *B.मास्टर प्यार के सागर बनना*

*आप ब्राह्मणों की नेचुरल नेचर मास्टर प्रेम का सागर है।* आपके पास आत्मिक प्यार, परमात्म प्यार की ऐसी शक्ति है, जिससे भिन्न-भिन्न नेचर को परिवर्तन कर सकते हो। जैसे प्यार के सागर ने अपने प्यार स्वरूप की अनादि नेचर से आप बच्चों को अपना बना लिया। ऐसे आप भी मास्टर प्यार के सागर बन विश्व की आत्माओ को सच्चा, नि:स्वार्थ आत्मिक प्यार दो तो उनकी नेचर परिवर्तन हो जायेगी।

उत्तर 2- *C.किसी को मिल नहीं सकता*

आत्मा इतनी छोटी बिन्दी है, उसमें फार एवर पार्ट भरा हुआ है, जो पार्ट बजाती ही रहती है। कभी थकती नहीं। *मोक्ष किसी को मिल नहीं सकता।* मनुष्य बहुत दु:ख देखकर कहते हैं मोक्ष मिले तो अच्छा है, लेकिन अविनाशी आत्मा पार्ट बजाने के बिना रह नहीं सकती।

उत्तर 3- *A.क्रिश्चियन लोगों की*

बाप समझाते हैं विश्व में शान्ति तो स्वर्ग में थी, जिसको पैराडाइज़ कहते हैं। क्रिश्चियन लोग कहते हैं बरोबर क्राइस्ट से 3 हज़ार वर्ष पहले पैराडाइज़ था। *उन्हों की न पारस-बुद्धि बनती है, न फिर पत्थरबुद्धि बनती है।* भारतवासी ही पारसबुद्धि और पत्थरबुद्धि बनते हैं।

उत्तर 4- *C.रामराज्य पर*

निश्चयबुद्धि विजयन्ती। विजय पायेंगे रावण पर। फिर आना है रामराज्य में। कल्प-कल्प तुम रावण पर विजय पाते हो। ब्राह्मण बने और विजय पाई रावण पर। *रामराज्य पर तुम्हारा हक है।* बाप को पहचाना और रामराज्य पर हक

हुआ। बाकी पुरूषार्थ करना है ऊंच पद पाने का। विजय माला में आना है।

उत्तर 5- *E. A,B और C*

*यह देवी-देवता तो सबसे पहले और बड़ा धर्म है। जो दो युग चलता है* तो जरूर उनकी संख्या भी बड़ी होनी चाहिए। परन्तु हिन्दू कहला दिया है। कहते भी हैं 33 करोड़ देवतायें। *बाप वृक्षपति आते हैं तो जरूर भारत पर बृहस्पति की दशा बैठेगी।* इसमें सब कुछ आ जाता है। तुम बच्चे जानते हो हमको निरोगी काया मिलती है, *वहाँ मृत्यु का नाम नहीं होता।* अमरलोक है ना।

उत्तर 6- *D.देवी देवता की*

अभी तुम हो प्रजा-पिता ब्रह्मा की सन्तान, यह छोटा-सा नया झाड़ है। *तुम जानते हो पुराने से नये बन रहे हैं। सैपलिंग लग रहा है। बरोबर हम बाजोली खेलते हैं। हम सो ब्राह्मण फिर हम सो देवता।* ‘सो' अक्षर जरूर लगाना है।

सिर्फ हम नहीं। हम सो शूद्र थे, हम सो ब्राह्मण बनें..... यह बाजोली बिल्कुल भूलनी नहीं चाहिए।

उत्तर 7- *C.बाप को याद करने से*

दिन-प्रतिदिन साइंस से बहुत सुख मिलता जाता है। यह है अल्पकाल का सुख, गिरते हैं तो कितना नुकसान हो जाता है। इन चीज़ों में सुख है अल्प-काल के लिए। बाकी फाइनल मौत भरा हुआ है। वह है साइन्स। तुम्हारी है साइलेन्स। *बाप को याद करने से सब रोग खत्म हो जाते हैं,* निरोगी बन जाते हैं। अभी तुम समझते हो सतयुग में एवरहेल्दी थे। यह 84 का चक्र फिरता ही रहता है।

उत्तर 8- *B.ज्ञान को*

अब तुम हो ज्ञान सूर्यवंशी। फिर सतयुग में कहा जायेगा विष्णु वंशी। ज्ञान सूर्य प्रगटा.... इस समय तुम्हें ज्ञान मिल रहा है ना। ज्ञान से ही सद्गति होती है। *तलवारों में भी नम्बरवार जौहर का फ़र्क होता है। ये है ज्ञान तलवार* जितना तुम याद

करेंगे उतनी धारणा अच्छी होगी, इसमें ताकत रहेगी इसलिए कहते हैं याद का जौहर चाहिए।

उत्तर 9- *A.आत्मा के पवित्र होने से*

जैसे बच्चे कहते हैं ना - हमको नया कपड़ा दो। हम आत्माओं को भी नया कपड़ा चाहिए। बाप कहते हैं तुम्हारी आत्मा नई बने तो शरीर भी नया चाहिए तब शोभा है। *आत्मा के पवित्र होने से 5 तत्व भी नये बन जाते हैं।* 5 तत्वों का ही शरीर बनता है। जब आत्मा सतोप्रधान है तो शरीर भी सतोप्रधान मिलता है।

उत्तर 10- *E. A और C*

बच्चे दो तरफ से कमाई कर रहे हैं। *एक तरफ है याद की यात्रा से कमाई और दूसरी तरफ है 84 के चक्र के ज्ञान का सिमरण करने से कमाई।* इसको कहा जाता है डबल आमदनी और अज्ञान काल में होती है अल्पकाल क्षण भंगुर सिंगल आमदनी। यह तुम्हारे याद की यात्रा की आमदनी बहुत बड़ी है।

उत्तर 11- *B.सर्वव्यापी*

पहले-पहले तो बाबा से योग चाहिए। बाप का परिचय चाहिए। फिर पीछे टीचर चाहिए। पहले तो बाप के साथ योग कैसे लगायें, यह भी सीखना पड़े क्योंकि यह बाप है अशरीरी, दूसरे तो कोई मानते ही नहीं। *कहते हैं गॉड फादर ओमनी प्रेजन्ट है। बस सर्वव्यापी का ज्ञान ही चला आता है।* अभी तुम्हारी बुद्धि में वह बात नहीं है।

उत्तर 12- *C.दु:खहर्ता,सुखकर्ता तो एक ही बाप है*

वह तो समझते हैं स्त्रियों का दु:ख कैसे दूर करें? परन्तु मनुष्य थोड़ेही किसका दु:ख दूर कर सकते हैं। *दु:ख हर्ता, सुख कर्ता तो एक ही बाप है।* देवताओं को भी नहीं कहेंगे। श्रीकृष्ण भी देवता हो गया। भगवान् नहीं कह सकते। यह भी समझते नहीं। जो समझते हैं वह ब्राह्मण बन औरों को भी समझाते रहते हैं।

उत्तर 13- *B.गीता का*

*यह गीता का एपीसोड चल रहा है* जिसमें भगवान् ने आकर राजयोग सिखाया है। डबल सिरताज बनाया है। यह लक्ष्मी-नारायण भी राजयोग से यह बने हैं। इस पुरूषोत्तम संगम-युग पर बाप से राजयोग सीखते हैं। बाबा हर बात कितना सहज समझाते हैं।

उत्तर 14- *A.मधुबन को*

अब विद्या होती है दो प्रकार की। एक है जिस्मानी विद्या, जो स्कूलों-कॉलेजों में दी जाती है। अब उसको विद्या भवन कहते हैं। जरूर वहाँ कोई दूसरी चीज़ है। अब विद्या किसको कहा जाता है, यह तो मनुष्य जानते ही नहीं। *यह मधुवन तो रूहानी विद्या भवन होना चाहिए।* विद्या ज्ञान को कहा जाता है। परमपिता परमात्मा ही ज्ञान सागर है।

उत्तर 15- *D.कलियुग के अन्त में*

विश्व में अशान्ति का कारण है अनेकानेक धर्म। *कलियुग के अन्त में जब अनेकता है, तब अशान्ति है। बाप आकर एक सत धर्म की स्थापना करते हैं।* वहाँ शान्ति हो जाती है। तुम समझ सकते हो कि इन लक्ष्मी-नारायण के राज्य में शान्ति थी। पवित्र धर्म, पवित्र कर्म था। कल्याणकारी बाप फिर से वह नई दुनिया बना रहे हैं।

उत्तर 16- *A.सतयुग-त्रेता*

रचयिता और रचना के आदि-मध्य-अन्त का ज्ञान कोई मनुष्य मात्र में नहीं है। कहते भी हैं प्राचीन ऋषि-मुनि नहीं जानते थे। प्राचीन का भी अर्थ नहीं जानते। *सतयुग-त्रेता हुआ प्राचीन।* सतयुग है नई दुनिया। वहाँ तो ऋषि-मुनि थे ही नहीं। यह ऋषि-मुनि आदि सब बाद में आये हैं। वह भी इस ज्ञान को नहीं जानते। नेती-नेती कह देते हैं।